VERRIER ELWIN

भारत के प्रति दुर्भावना रखने वाला पादरी जिसे मानवशास्त्री बताने का झूठ रचा गया

WWW.THENARRATIVEWORLD.COM

भारत के प्रति दुर्भावना रखने वाला पादरी जिसे मानवशास्त्री बताने का झूठ रचा गया

01

- इंग्लैंड में जन्मे वेरियर एल्विन ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से थियोलॉजी(धर्म शास्त्र) में स्नातक की उपाधि प्राप्त की जिसके उपरांत वो पारिवारिक परंपरा अनुसार पादरी बना।
- वर्ष 1927 को पादरी विन्सले के अनुरोध पर पादरियों के गुट के साथ एल्विन भारत आया जहां उसे वर्ष 1930 में धर्मांतरण में लिप्त संस्थान क्रिस्टा सेवा संघ का आचार्य बनाया गया।
- एल्विन ने जनजातीय समुदाय के कंवर्जन के प्रयासों के तहत वनवासी समाज की परंपराओं एवं संस्कृति को सनातन संस्कृति से पृथक बताने वाली कई अवधारणाएं गढ़ी।
- वर्ष 1939-40 में एल्विन ने भारतीय राजनीति में अपनी संभावनाएं तलाशने की दृष्टि से स्वयं को महात्मा गांधी का अनुयायी घोषित किया, जिसके उपरांत वह प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहरलाल नेहरू के करीब आया।
- वेरियर ना ही कोई प्रशासनिक अंग्रेज अधिकारी था और न ही वह ब्रिटिश सेना में ही था बावजूद इसके उसे स्वतंत्रता से पूर्व ब्रिटिश सरकार एवं स्वतंत्रता के उपरांत नेहरू की सरकार द्वारा गैर-आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।
- वह विशुद्ध रूप से ईसाई धर्म प्रचारक रहा जिसने जीवनपर्यंत जनजातीय समुदाय के बीच कंवर्जन को बढ़ावा दिया बावजूद इसके तत्कालीन ब्रिटिश सरकार एवं स्वतंत्रता के उपरांत नेहरू की सरकार द्वारा उसे जनजातीय विषयों का विद्वान बताकर सम्मानित किया गया।

भारत के प्रति दुर्भावना रखने वाला पादरी जिसे मानवशास्त्री बताने का झूठ रचा गया

02

एल्विन का फरेब

- एल्विन ने जनजातीय संस्कृति से पृथक बताने का षड़यंत्र रचा
- उसने जनजातीय समुदाय की संस्कृति अक्षुण्ण रखने के नाम पर जनजातीय बहुल क्षेत्रो में आम भारतीय नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की पैरोकारी की
- एल्विन ने अलगाववादी भावनाएं भड़काने एवं भविष्य में भारत को खंडित करने के उद्देश्य से पृथक जनजातीय क्षेत्र घोषित करने की बात की
- शोध के नाम पर जनजातीय संस्कृति में अश्लीलता का पोषण किया
- उसने स्वयं को जनजातीय समुदाय में से एक बताया

वास्तविकता

- जनजातीय संस्कृति आदिकाल से सनातन धर्म का अभिन्न हिस्सा है
- प्राचीन काल से जनजातीय बहुल क्षेत्रो से मैदानों में रहने वाले लोगों के सांस्कृतिक एवं व्यापारिक संबंध रहे हैं
- प्राचीनकाल से हमारे पूर्वज उत्तर से दक्षिण तक एक संस्कृति एक राष्ट्र का हिस्सा रहे हैं
- जनजातीय संस्कृति ने सदैव ऊंचे नैतिक आदर्शों के साथ धर्मसंगत आचरण का अनुपालन किया है
- एल्विन ने छलपूर्वक जनजातीय कन्या से विवाह कर आधिकारिक तौर पर कंवर्जन को बढ़ावा दिया